

## कांग्रेस व विपक्ष फंसा भाजपा के जाल में

महिला आरक्षण विधेयक में बाधक बनने की तोहमत से बचने के लिए, कांग्रेस ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने का निर्णय लिया सी.डब्ल्यू.सी. की बैठक में

-रेणु मिश्र-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल को लेकर कांग्रेस और विपक्ष को चौंका दिया है, तथा विपक्ष के पास लगभग कोई विकल्प नहीं छोड़ा, सिवाय इसके कि वे इसका जोर-शोर से विरोध करें। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक शुक्रवार शाम को हुई, जिसमें सरकार द्वारा विधानसभा चुनाव के बीच 16 से 19 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाकर महिलाओं के आरक्षण बिल पारित करने पर चर्चा की गई। कांग्रेस ने 15 अप्रैल को सभी विपक्षी नेताओं की बैठक बुलाई है, ताकि यह तय किया जा सके कि बिल का विरोध किए बिना इसे संसद में कैसे रोके।

विपक्ष का विरोध आरक्षण बिल को

- पर, शायद यह कांग्रेस को याद नहीं रहा कि सितंबर 2023 को सरकार ने विपक्ष की मदद से विधेयक पारित कराया था कि महिला आरक्षण विधेयक जनगणना व परिसीमन के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है
- अतः, अब कांग्रेस व विपक्ष पूरा जोर लगा रहे हैं, पर्याप्त संख्या इकट्ठी करने में, जिससे संविधान संशोधन विधेयक पारित न हो पाए।
- और, इससे अप्रत्यक्ष रूप से सीटों का परिसीमन हो जाएगा, जो दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक प्रभाव बहुत सीमित हो जाएगा और उत्तर भारत को ज्यादा संसदीय सीटें मिल जाएंगी।
- और, भाजपा सरकार का मकसद पूरा हो जाएगा।
- बंगाल व तमिलनाडु के चुनाव से पूर्व यह घटनाक्रम कांग्रेस व डीएमके के गठबंधन के बीच में दरार ला सकता है।

लेकर नहीं है, बल्कि उस परिसीमन (डीलिमिटेशन) को लेकर है, जिसे

सरकार ने बिना नई जनगणना करवाए प्रस्तावित किया है। यह 2011 की

जनगणना पर आधारित है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

### ‘ट्रम्प ने इजरायल के दबाव में ईरान युद्ध शुरू किया’

इस्तांबुल, 10 अप्रैल। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को नीति की तीखी आलोचना की है। उन्होंने मौजूदा सीज़फ़ायर को बेहद ढीला-ढाला बताया। उन्होंने

- अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने ईरान युद्ध को लेकर टिप्पणी की।

चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## ‘भाजपा उन लोगों के साथ नहीं जायेगी जो बाबरी मस्जिद बनाने की बात करते हैं’

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चर्चा का केंद्र बने रिटिंग वीडियो को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा है कि वह 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद कर लेंगे, पर ऐसे लोगों के साथ कभी नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी उन लोगों के साथ कभी नहीं जाएगी, जो पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसा ढांचा बनाने की बात करते हैं। हुमायूँ कबीर और भाजपा का रिश्ता नॉर्थ पोल और साउथ पोल जैसा है, जो कभी एक नहीं हो सकते हैं।

### दो कारों की टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

कांकेर, 10 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार देर रात हुआ हादसा

से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। परिवार कांकेर के उड़कुड़ा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चोचरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुड़ा लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कारों तेज रफ्तार में थीं और टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

## सीज़फ़ायर दो पार्टियों के “री ग्रुप” (पुनः संगठित) होने का मौका मात्र है

अमेरिका को अवसर मिला है, यह आंकने का कि उसकी विशाल सेना की डिटरेंस (डराने की क्षमता) कितनी कारगर है

चेतावनी दी कि हालात आगे चलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। पूर्व विदेश मंत्री ने विशेष रूप से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की अनिश्चित स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संकट अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## ‘भाजपा उन लोगों के साथ नहीं जायेगी जो बाबरी मस्जिद बनाने की बात करते हैं’

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में चर्चा का केंद्र बने रिटिंग वीडियो को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा है कि वह 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद कर लेंगे, पर ऐसे लोगों के साथ कभी नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी उन लोगों के साथ कभी नहीं जाएगी, जो पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसा ढांचा बनाने की बात करते हैं। हुमायूँ कबीर और भाजपा का रिश्ता नॉर्थ पोल और साउथ पोल जैसा है, जो कभी एक नहीं हो सकते हैं।

### दो कारों की टक्कर में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

कांकेर, 10 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप

- छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार देर रात हुआ हादसा

से घायल हो गए। कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ। परिवार कांकेर के उड़कुड़ा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चोचरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुड़ा लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कारों तेज रफ्तार में थीं और टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

## गगनयान मिशन के लिए दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट का सफल परीक्षण

वैज्ञानिकों ने इस दौरान क्रू मॉड्यूल की रिकवरी सिस्टम का परीक्षण लिया

श्रीहरिकोटा, 10 अप्रैल। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने अपनी उपलब्धियों में एक और सितारा जोड़ लिया है। बता दें कि स्पेस एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस स्टेशन पर गगनयान मिशन का दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-02) सफलतापूर्वक पूरा किया है। वैज्ञानिकों ने इस दौरान क्रू मॉड्यूल की रिकवरी सिस्टम का परीक्षण लिया। बता दें कि इस सफल परीक्षण का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस से धरती पर लौटते समय सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। इसरो ने अपनी वेबसाइट में बताया कि इस सफल परीक्षण में इंडियन एयर फोर्स के चिनुक हेलीकॉप्टर ने लगभग

- इसरो ने अपनी वेबसाइट में बताया कि इस सफल परीक्षण में इंडियन एयर फोर्स के चिनुक हेलीकॉप्टर ने लगभग 5.7 टन वजन का एक आर्टिफिशियल क्रू मॉड्यूल को तकरौबन 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठाया। इसे श्रीहरिकोटा तट के पास समुद्र में निर्धारित ड्रॉप ज़ोन पर छोड़ा गया। स्पेस एजेंसी ने बताया कि क्रू मॉड्यूल के नीचे आने के दौरान 4 तरह के 10 पैराशूट एक सटीक क्रम में तैनात किए गए, जिससे सेफ लैंडिंग के लिए

5.7 टन वजन का एक आर्टिफिशियल क्रू मॉड्यूल को तकरौबन 3 किलोमीटर की ऊंचाई तक उठाया। इसे श्रीहरिकोटा तट के पास समुद्र में निर्धारित ड्रॉप ज़ोन पर छोड़ा गया। स्पेस एजेंसी ने बताया कि क्रू मॉड्यूल के नीचे आने के दौरान 4 तरह के 10 पैराशूट एक सटीक क्रम में तैनात किए गए, जिससे सेफ लैंडिंग के लिए

मामला आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूँ कबीर के उस रिटिंग वीडियो से जुड़ा हुआ है। इस रिटिंग वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया था कि वह बीजेपी के चरिष्ट नेताओं के संपर्क में हैं और कथित तौर पर 1000 करोड़ रुपए की डील का ऑफर उन्हें दिया गया है। हुमायूँ कबीर ने इस वीडियो को लेकर सफाई देते हुए कहा कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (एआई) से तैयार गया है।

### नीतीश ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यसभा के निवर्तमान उपसभापति हरिवंश ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के

- निवर्तमान उप सभापति हरिवंश ने भी राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उनका कार्यकाल खत्म हो गया है पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है राज्यसभा में।

सभापति सीपी राधाकृष्णन ने संसद भवन में उनको शपथ दिलाई। इस अवसर पर सदन के नेता और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, बिहार के उपमुख्यमंत्री (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## ईरान ने इस्लामाबाद वार्ता के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है

बल्कि, ईरान के संसद के स्पीकर गलीबाफ ने नई मांग रख दी है, उसके फंड्स (पैसे) जो अमेरिका व अन्य पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण, बैंकों में “फ्रीज” हैं, उन्हें रिलीज़ किया जाए

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। जैसे-जैसे ईरान और अमेरिका के बीच पहली प्रत्यक्ष वार्ता का समय नजदीक आ रहा है, अनिश्चितताएं बढ़ रही हैं। इससे सभी पक्षों में खासकर पश्चिम एशियाई पड़ोसियों में घबराहट फैल रही है, जिन्हें पिछले चालीस दिनों से जारी संघर्ष के दौरान लगातार ईरान की बमबारी का सामना करना पड़ा था। ईरान ने अब तक अपनी वार्ता टीम का ऐलान नहीं किया है, जिससे इस्लामाबाद वार्ता में उसके भागीदारी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी वार्ता टीम का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस कर रहे हैं। इसमें ट्रंप के मध्य पूर्व

विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और उनके

- ईरान के पैसे रिलीज़ करने की मांग पहले कभी नहीं उठाई गई थी। गलीबाफ ने बड़े “सही” समय पर यह मांग उठाई है।
- साथ ही ईरान जोर दे रहा है कि लेबनान का मुद्दा भी इस्लामाबाद शांति वार्ता में शामिल है। दूसरी ओर इजरायल लगातार लेबनान पर बमबारी जारी रखे हुए है।
- गलीबाफ जानते हैं कि ईरान की ये शर्तें कभी भी स्वीकार नहीं होंगी, पर, इन शर्तों को अभी उठाकर ईरान और कई रियायतें स्वीकार करा लेंगे, जैसे इन शर्तों के कारण स्ट्रैट ऑफ होर्मुज़ को चालू करवाने की मांग दब गई है।

विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

### जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जज जस्टिस वर्मा ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजा है। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई

- जस्टिस वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की कार्यवाही शुरू हो चुकी है और जांच के खिलाफ दायर उनकी याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी है।

शुरू हो चुकी है। लोकसभा स्पीकर ने इस मामले में जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत जांच कमेटी गठित कर दी है। लोकसभा स्पीकर की ओर से इन्क्वायरी के आदेश को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## तेलंगाना माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से मुक्त घोषित

हैदराबाद, 10 अप्रैल। तेलंगाना को माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से पूरी तरह मुक्त घोषित हो गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवाधर रेड्डी ने शुक्रवार को यह घोषणा की। आज सीपीआई (माओवादी) से जुड़े शीर्ष कमांडर और 42 हथियारबंद नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। शीर्ष माओवादी नेता सोडी मल्ला उर्फ केशल उर्फ निखिल ने अपने दस्ते के साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। इस दस्ते में शामिल 42 कैदरों के आत्मसमर्पण के साथ ही पुलिस ने राज्य

### महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर देशव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) से जुड़े विषयों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस संबंध में शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय विस्तार भवन में कई बैठकें की गईं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठक की, जिसमें महिला आरक्षण से संबंधित राष्ट्रीय अभियानों की रूप-रेखा और आगामी सांगठनिक रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इसमें देशभर के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान महिला आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में भाजपा के कार्यक्रमों के आयोजन की रूप-रेखा तैयार करने के लिए नेताओं को निर्देश भी दिए गए ताकि अधिनियम के बारे में सभी लोगों को जानकारी मिले।

- 42 कैदरों ने एक साथ डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

में माओवादी संगठनात्मक ढांचा पूरी तरह खत्म होने की घोषणा कर दी। शुक्रवार को पुलिस महानिदेशकबी. शिवाधर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) को प्रभावित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया है और राज्य में नक्सलवाद का सशस्त्र स्वरूप पूरी तरह समाप्त हो गया है। डीजीपी ने बताया कि मुपला लक्ष्मण राव उर्फ

### मुंबई एयरपोर्ट पर 37 करोड़ रुपये का सोना जब्त

मुंबई, 10 अप्रैल। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनके पास से 29.37 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 37.74 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर भाजपा को मुंबई जोनल यूनिट ने बुधवार को ऑपरेशन धाहवू ब्लिट्ज़ चलाया। इसे इस वर्ष मुंबई एयरपोर्ट पर हुई सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। धाहवू स्वाहिली भाषा में सोने को कहा जाता है। अधिकारियों ने बताया, डीआरआई को सूचना मिली थी कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिलाएं अपने साथ सोना छिपाकर ला रही हैं। इसके बाद नैरोबी से मुंबई पहुंची 24 विदेशी महिलाओं को रोका गया।

- केन्या के नैरोबी से आने वाली 24 महिलाओं को गिरफ्तार किया

उनकी जांच के दौरान बैग और कपड़ों से 25.10 किलोग्राम सोने की ईंटें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बच निकलने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। इससे यह संकेत मिलता है कि यह एक सुनियोजित तस्करी गिरोह है, जो ऐसे कैरियर के जरिए एयरपोर्ट सुरक्षा को चुकमा देने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं को अदालत में पेश किया जाएगा, जबकि तस्करी रैकेट के सरगनाओं को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

## विचार बिन्दु

अज्ञानी के लिए खामोशी से बढ़कर कोई चीज नहीं और यदि उसमें यह समझने की बुद्धि हो तो वह अज्ञानी नहीं रहेगा। -शेख सादी

## प्रिंट मीडिया की प्रामाणिकता आज भी कायम

लगातार है युवाओं ने प्रिंट मीडिया से अपनी दूरी बना ली है। आज बच्चों से युवाओं तक के हाथ में अखबार या पुस्तक नहीं मिलती है। वे मोबाइल से लैस होते हैं। एक सर्वे के अनुसार आज भी अखबार 50 वर्ष से ऊपर के 72 प्रतिशत लोग पढ़ना पसंद करते हैं। 18-30 वर्ष के समाचार को 85 प्रतिशत युवाओं ने डिजिटल समाचार को चुना जिसमें न्यूज ऐप्स सोशल मीडिया ई पेपर इसके प्रमुख स्रोत हैं। युवाओं में डिजिटल की सुविधा है, मगर फेक न्यूज का खतरा भी सबसे ज्यादा वहीं है। सर्वे के मुताबिक डिजिटल मीडिया ने मजबूत जगह बना ली है, लेकिन प्रिंट मीडिया की पकड़ अब भी ढीली नहीं हुई है। मीडिया के बदलते स्वरूप के बावजूद आज भी प्रिंट मीडिया की प्रामाणिकता कायम है। युवा अपनी सुविधाओं के लिए डिजिटल उपयोग कर रहे हैं, जबकि अखबार की प्रामाणिकता आज भी कायम है। डिजिटल युग के तेज विकास के बावजूद प्रिंट माध्यमों का सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक क्षेत्र में महत्व आज भी कायम है। समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ और पुस्तकें ऐसी विश्वसनीय सामग्री प्रदान करती हैं, जो गहराई और तथ्यों पर आधारित होती हैं।

आखिर यह प्रिंट मीडिया है क्या, इसकी जानकारी होनी जरूरी है। प्रिंट मीडिया मुख्य रूप से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाचार बताने का मुद्रित संस्करण है। प्रिंट मीडिया वह मीडिया है जो हमें लिखित जानकारी देता है। आज का युवा अखबार का मतलब मोबाइल ही समझता है। वह अखबार के स्थान पर मोबाइल पर खबरें देखना ज्यादा पसंद करता है। पुस्तकों से भी उसने दूरी बना ली है। प्रिंटिंग प्रेस से पहले, ज्ञान मौखिक रूप से या महंगी हस्तलिखित पुस्तकों के माध्यम से फैलता था लेकिन अब प्रिंटिंग प्रेस ने लोगों को पहले से कहीं ज्यादा तेजी से शिक्षित करना संभव बना दिया। आज नए विचारों और ज्ञान को पुस्तकों या समाचार पत्रों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा किया जा सकता है। प्रिंट मीडिया के प्रमुख साधनों में, दैनिक समाचार पत्र, पत्रिका, पुस्तकें,

बैनर, होर्डिंग, पोस्टर, प्लावर, लीफलेट न्यूजलेटर्स और पोस्टकार्ड शामिल हैं। स्कुल और कॉलेज में लाइब्रेरी जरूर है, जहाँ अखबार और पुस्तकें बहुतायत से सुलभ होती हैं मगर उसमें जाने का समय विद्यार्थी के पास नहीं है। कक्षा में विषयों के पीरियड अवश्य होते हैं खेलकूद का भी समय होता है मगर अखबार या पुस्तक पढ़ने अथवा पुस्तकालय का कोई पीरियड नहीं होता। अध्यापक भी बच्चों को अखबार, पुस्तक या सद साहित्य पढ़ने संबंधी कोई जानकारी नहीं देते। यही कारण है कि इन्टरनेट के इस युग में हम मुद्रित सामग्री को भूल गए हैं। पढ़ने का मतलब इस संचार क्रांति में इन्टरनेट ही रह गया है युवा चौबीसों घंटे हाथ में मोबाइल लिए इन्टरनेट पर चोट करते मिल जाएंगे। वे पुस्तक से परहेज करने लगे हैं मगर

मोबाइल को रिचार्ज करना नहीं भूलते। उन्हें घर या बाहर यह बताने वाला कोई नहीं है की अखबारों और पुस्तकों का भी अपना एक संसार है। वे प्रेमचंद की किसी पुस्तक के बारे में नहीं जानते। कॉमिडियन कपिल के शो के बारे में जरूर जानते हैं मगर शत चंद्र या हरिशंकर परसाई की किसी शिख्यत से वाकिफ नहीं हैं। उन्हें पुस्तक अथवा पुस्तक की महिमा से कोई लेना देना नहीं है। वे पुस्तक मेले में जाना नहीं चाहते। वे किसी अच्छे मॉल में जरूर जाना चाहते हैं जहाँ उन्हें अपनी मन पसंद खाने-पीने और पहनने की वस्तु मिल जाये। वे टीवी जरूर खोलते हैं मगर न्यूज चैनल नहीं देखते। या तो स्पॉट्स चैनल खोलेंगे अथवा कोई सीरियल या फिल्म देखना पसंद करेंगे। ओ है। टीटी प्लेटफॉर्म पर जरूर जायेंगे। न्यूज से अपना कोई वास्ता नहीं रखेंगे। न्यूज केवल वे ही देखेंगे जो किसी कॉन्फिडेंशियल की तैयारी में जुटे हैं।

जमाना जिस तेजी से बदल रहा है उसे देखते हुए लगता है किताब अब गुजरे जमाने की चीज रह जाएगी अब उन्हें कौन समझाएँ की उसके अभिभावक पुस्तक के ज्ञान को सहेज कर आगे बढ़े है। अब तो गली मोहल्ले में कोई वाचनालय या पुस्तकालय भी नहीं है। जहाँ शांति से बैठकर पढ़ा जाये। यदि कहीं ऐसी जगह भूल से मिल भी जाये तो उनका मोबाइल उसे पढ़ने नहीं देगा। आखिर वह कैसे पुस्तक के बारे में कैसे जाने और ज्ञान प्राप्त करें।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं। इनमें लेखकों के जीवन भर के अनुभव भर रहे हैं। यदि कोई परिश्रम करे और अनुभव प्राप्त करने के लिए जीवन लगा दे और फिर उस अनुभव को पुस्तक के थोड़े से पन्नों में दर्ज कर दे तो पाठकों के लिए इससे ज्यादा लाभ की बात क्या हो सकती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं। पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए। अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती हैं और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं। एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं। हमारे जीवन को महत्वपूर्ण बनाने में पुस्तक का सबसे ज्यादा योगदान होता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

-अतिथि संपादक,  
बाल मुकुन्द ओझा,  
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

## महात्मा ज्योतिराव फुले: भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

आज 11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। आज भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है। महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

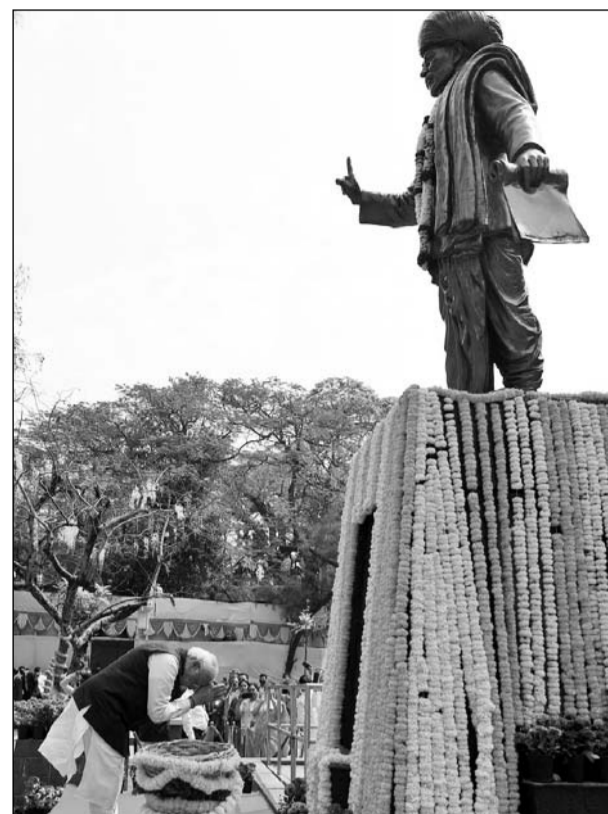
महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरूआती चुनौतियों कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाई। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ क्यों न आएँ, ईसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए।

बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सबाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही। महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार माँ के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएँ, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए स्कूल खोले जाएँ। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इन्वोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सबाल पृष्ठे, नई

चीजें सीखने और इन्वोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है। अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएँ खेतों और गाँवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, "जो पर्यंत समाजताली सर्वात्मन समाज अधिकार मिळत नाहीत, तो पर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही" - यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गाँवों में रहने वाले लोगों की पुर्नजी आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है। उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का अग्र उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।



महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया। भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विपत्तियों से घन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उठी लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी

ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे। मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

## महिलाओं की शिक्षा के प्रेरणा पुंज 'ज्योतिबा फुले'



डॉ. मनोज कुमार बहरवाल

विद्या नीति गयी, नीति बिना गति गयी, गति बिना विचि गया, विचि बिना श्रु गये, इतने अर्थ एक अविद्या ने किये!

ज्योतिबा फुले का यह ध्येय वाक्य मानव जाति के सांगोपांग विकास का मन्त्र है। व्यक्ति हो अथवा समाज या राष्ट्र अथवा विश्व सभी के सर्वगीण विकास में ज्योतिबा फुले के यह विचार आज भी प्रासंगिक हैं। 11 अप्रैल 1827 को पुणे में एक व्यक्ति का जन्म हुआ जिसे महात्मा ज्योतिबा

कहा गया फुले नाम इस कारण पड़ा कि उनका परिवार फूल माली का काम करता था। वे सतार से पूना आकर बसे थे। बाल्यकाल में ही आपकी माता जी का निधन हो गया। आपका पालन-पोषण एक बाई ने किया। आपने प्रारम्भिक शिक्षा मराठी माध्यम से की। कुछ विकट परिस्थितियों के कारण अध्ययन बीच में ही छोड़ना पड़ा। शिक्षा की लान और महत्व के कारण 21 वर्ष की आयु में ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया, बीच में पढाई छूट गई और बाद में 21 वर्ष की आयु में अंग्रेजी माध्यम से 7 कक्षा की पढाई पूरी की। इनका विवाह 1840 में सावित्रीबाई से हुआ, जो बाद में स्वयं एक प्रसिद्ध समाजसेवी बनीं। दलित और स्त्री शिक्षा के क्षेत्र फुले दम्पति ने बहुत काम किया और कर्मठता से समाज की सेवा की।

महात्मा जी ने मिलकर विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए अथक कार्य किया। इसके साथ ही किसानों की दयनीय दशा सुधारने और उनके कल्याण के लिए भी अथक प्रयास किया। स्त्रियों की शैक्षणिक दशा सुधारने और महिला शिक्षा उन्नयन के लिए फुले ने 1848 में अंग्रेजी माध्यम से समाज सुधारक पाठशाला थी। तत्कालीन समाज इतना रूढ़ि था कि इन लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तत्कालीन पुरातनपंथी समाज के लोगों ने उनके पिता पर दबाव डालकर पति-पत्नी को घर से निकाला दिया। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत! इस वाक्य का प्रतिबिम्ब रहे महात्मा फुले। शोधे समय के लिए बालिका शिक्षा का कार्य अवरूढ़ रहा। परन्तु फुले ने हिम्मत नहीं हारी अपने अथक प्रयासों से उन्होंने शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल और प्रारम्भ किये।

भारत के सभी संतों की व्यक्तित्व और कौतिल्य का गहरा अध्ययन ज्योति बा ने किया और उन सभी ज्ञानात्मक पक्ष को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संतों के दार्शनिक अध्ययन के बाद आपको यह तात्त्विक ज्ञान मिला कि जब ईश्वर के सामने सब नर-नारी

ने 1848 में एक पाठशाला का सुधारम्भ किया। यह भारत की प्रथम बालिका पाठशाला थी। तत्कालीन समाज इतना रूढ़ि था कि इन लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तत्कालीन पुरातनपंथी समाज के लोगों ने उनके पिता पर दबाव डालकर पति-पत्नी को घर से निकाला दिया। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत! इस वाक्य का प्रतिबिम्ब रहे महात्मा फुले। शोधे समय के लिए बालिका शिक्षा का कार्य अवरूढ़ रहा। परन्तु फुले ने हिम्मत नहीं हारी अपने अथक प्रयासों से उन्होंने शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल और प्रारम्भ किये।

भारत के सभी संतों की व्यक्तित्व और कौतिल्य का गहरा अध्ययन ज्योति बा ने किया और उन सभी ज्ञानात्मक पक्ष को सभी के सामने प्रस्तुत किया। संतों के दार्शनिक अध्ययन के बाद आपको यह तात्त्विक ज्ञान मिला कि जब ईश्वर के सामने सब नर-नारी

को देखकर तत्कालीन ब्रिटिश भारत सरकार ने 1883 में आपकी "स्त्री शिक्षण के आद्यजनक" समान सूचक शब्दों से उनका सम्मान किया और उनके गौरव में वृद्धि की। वर्तमान में भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर राजनैतिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में महिलाएँ जो नेतृत्व कर रही हैं यह सभी की प्रेरणा के पुंज महात्मा ज्योति बा फुले ही हैं।

आइए आज के इस पावन जन्म जयंती के अवसर पर हम सभी महात्मा फुले से प्रेरणा लेते हुए महिला / बालिका शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए पूरे मनोयोग से संकल्प लें और सदैव महिलाओं के विकास और कल्याण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक प्रयास करें। यही है हमारी और हम सभी की भारतीय संस्कृति। यही हमारी और आपकी तथा हम सभी की पहचान और शक्ति बने यही भाव हम सभी में जाग्रत हो। आप सभी को महात्मा ज्योति बा फुले की जन्म जयंती पर आप सभी को मंगलकामनाएं।

-डॉ. मनोज कुमार बहरवाल, प्रचारार्थ, राजकीय पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

## महात्मा ज्योतिबा फुले : युग प्रवर्तक समाजोद्धारक

11 अप्रैल : महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर विशेष.....



डॉ. अरुणा द्यास

आज ज्योतिबा फुले जयंती है। ज्योतिबा का अर्थ होता है, ज्ञान का प्रकाश। ज्योतिबा फुले ऐसे ही थे। प्रकाश की लौ समान उन्होंने समाज को अपने विचारों से सदा उजास दिया। उनके नाम के आगे महात्मा लगता है। महात्मा का अर्थ होता है, महान आत्मा। ज्योतिबा फुले ने महानता का विचार और कर्मणा सदा से मानसा को जाया। इसलिए उन्हें देश के महान समाजसुधारक, समाज प्रबोधक, विचारक, समाजसेवी, लेखक और दार्शनिक के रूप में

स्वीकारा गया। यह महात्मा ज्योतिबा फुले ही थे, जिन्होंने निधन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना कर क्रांति का सूत्रपात किया। समाजसेवा के उनके आदर्श आचरण को देखकर ही 1888 में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें महात्मा की उपाधि दी गई। ज्योतिबा फुले कर्म में विश्वास करते थे। महिलाओं व पिछड़े और अछूतों के उत्थान के लिये जीवन पर्यन्त उन्होंने कार्य किया। समाज में स्त्रियों की शिक्षा की उन्होंने अलख जगाई। स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्रदान करने के साथ उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया। विधवा विवाह का समर्थन किया और समाज की कुप्रथाओं और अंधश्रद्धा के प्रति लोगों को जागरूक किया। ऐसे दौर में जब स्त्रियों को शिक्षा नहीं दी जाती थी। ज्योतिबा फुले ने कन्याओं के लिए देश की पहली पाठशाला पुणे में स्थापित की। उन्होंने 1848 में कन्या स्कूल खोला। लड़कियों को पढ़ाने के लिए

अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री फुले को इस योग्य बना दिया। कुछ लोगों ने आरम्भ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाव डालकर पति-पत्नी को घर से निकाला दिया। इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए। महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी धर्मपत्नी सावित्रीबाई फुले को स्वयं शिक्षा प्रदान की। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला अध्यापिका थीं। विधवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी उन्होंने बहुत काम किया। इसके अलावा किसानों की हालत सुधारने और उनका कल्याण के लिए भी निरंतर प्रयास किए। ऐसे महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्यों से हम-सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। ज्योतिबा फुले ने जाति आधारित भेदभाव के समापन के लिए आजीवन लड़ते रहे। यह ऐसे ही नहीं

हवा। असल में वर्ष 1848 में उनके साथ एक ऐसी घटना घटी जिसने उन्हें झकझोर दिया। वह अपने एक मित्र के विवाह में शामिल होने के लिए गए थे। मित्र उच्च कुल का था और विवाह समारोह में उनके साथ अपनाजित व्यवहार हुआ। उन्होंने तभी तय कर लिया जाति व्यवस्था की इस कुप्रथा को वह जड़ से समाप्त करेंगे। यही बाद में हुआ भी। उन्होंने शुरुआत कहीं और से नहीं अपने ही घर से की। दलितों को अपने घर के कुएं को प्रयोग करने की अनुमति दे दी। दलितों और महिलाओं में अंधविश्वास के कारण उत्पन्न हुई आर्थिक और सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के लिए भी उन्होंने आंदोलन चलाया। उनका मानना था कि यदि आजादी, समानता, मानवता, आर्थिक न्याय, शोषणरहित मूल्यों और भाईचारे पर आधारित सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना है तो असमान और शोषक समाज को उखाड़ फेंकना होगा। ज्योतिबा फुले युग से आगे की सोच रखते थे, इसीलिए महिला



महात्मा ज्योतिबा फुले

सशक्तीकरण को उन्होंने सबसे अधिक प्रधानता दी। विधवा विवाह का समर्थन किया। इसी संदर्भ में उन्होंने 1854 में विधवाओं के लिए एक आश्रम भी बनवाया। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए नवजात शिशुओं के लिए भी एक आश्रम खोला।

-डॉ. अरुणा द्यास, पर्यावरण, शिक्षा और और संस्कृति अध्येता



पंडित अनिल शर्मा

### राशिफल शनिवार 11 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2083, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 1:40 तक, सिद्ध योग सार्य 6:39 तक, तैत्तिल करण दिन 11:57 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरु-मिथुन, शुक-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज शनि उदय पूर्व में रात्रि 12:05 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:20 तक, चर 12:28 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:11 तक। राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:45

मेष	सिंह	धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बने लगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।	स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनेहो की आशंका बनी। बनावट का भय दूर होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा।	घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।
वृष	कन्या	मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बने लगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।	व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।	मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनासूरा बने लगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
मिथुन	तुला	कुंभ
चन्द्रमा अदम्य भाव में शुभ नहीं है। परिवार में वाणी की कड़ुता के कारण वाद-विवाद हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।	घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
कर्क	वृश्चिक	मीन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्यों सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।	परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। आज परिवारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बने लगे।	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बने लगे। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।





# नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं की राजनीति में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री

महिलाएं अपने सपनों को पंख दें, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कांस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है और नारी शक्ति इसके केंद्र में है। केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया है। इससे इनकी राजनीति में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने महिला सशक्तिकरण को जीवन के प्रत्येक पहलू से जोड़ा है। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप अपने सपनों को पंख दीजिए, हमारी सरकार आपके साथ खड़ी है। शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में पहुंची महिलाओं और छात्राओं के साथ सीएम भजनलाल शर्मा ने मोबाइल में सेल्फी ली।

योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो द्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में करीब 20 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान

किए जाते हैं। प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की गई है तथा हर घर नल से जल के माध्यम से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

इस दौरान प्रदेशभर के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं एवं छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए डबल इंजन सरकार का आभार जताया तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महिलाओं एवं छात्राओं ने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित रही।

■ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना, महिला स्वयं सहायता समूह, नमो द्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक सशक्त बनाया

## रीको ने भूखण्ड आवंटियों को दी बड़ी राहत

जयपुर (कांस)। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने तथा उद्यमियों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रीको द्वारा विभिन्न प्रक्रियाओं एवं नियमों का लगातार सरलीकरण किया जा रहा है। रीको ने भूखण्ड आवंटन से संबंधित नियमों, समय-सीमाओं एवं आवश्यक दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा कर इनमें संशोधन कर आवश्यक परिपत्र जारी किया है। अब सभी रीको इकाई प्रभारी संबंधित औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां नए परिपत्र के अनुरूप कम की गईं समय सीमा में ही जारी करेंगे।

रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटियों को समय-समय पर अपने भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियां लेनी होती हैं। इसके लिये आवंटों अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रीको पॉर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर स्वीकृतियां प्राप्त कर सकेंगे।

इन स्वीकृतियों के अंतर्गत कंपनी के डायरेक्टर्स में परिवर्तन, कंपनी के स्वरूप में बदलाव (प्राइवेट लिमिटेड से लिमिटेड अथवा इसके विपरीत), भूखण्डों का मर्जर, ऋण प्राप्ति हेतु

■ भूखण्ड से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियों के निस्तारण की समय सीमा घटाई

अनुमति तथा कंपनी के नाम परिवर्तन इत्यादि सम्मिलित हैं। इसके अलावा, भूखण्डों पर प्लिंथ स्तर अथवा छत स्तर पर निर्माण की सूचना हेतु आवेदन की समय-सीमा को 3 दिन से घटाकर 1 दिन करने का निर्णय लिया गया है। अब जियोटेग फोटो अपलोड करने के पश्चात एक दिन में ही आवेदन मान्य माना जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, त्वरित एवं पारदर्शी बनेगी।

पर्यावरण स्वीकृति से संबंधित आवेदन एवं स्वीकृति प्राप्त किये जाने की सूचना, लीज डीड निष्पादन के पंजीकरण, संपत्ति पर ऋण पूरा होने की सूचना देने के लिए आवेदन निस्तारण की समय सीमा 3 दिन के स्थान पर 1 दिन तथा पावर ऑफ अटॉर्नी जारी होने की सूचना के आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा घटाकर 15 दिन से 1 दिन कर दी गई है। इससे उद्यमियों को शीघ्र

सेवाएं प्राप्त होंगी तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि होगी। भूखण्ड को सब-लॉटिंग अथवा सब-लॉजिंग पर देने के आवेदनों का निस्तारण अब 7 दिन के स्थान पर मात्र 3 दिन में किया जाएगा।

यदि कोई उद्यमी निर्धारित समय-सीमा में भूखण्ड पर औद्योगिक इकाई स्थापित नहीं कर पाता है, तो समय-सीमा बढ़ाने के लिए आवेदन करना आवश्यक होता है।

ऐसे मामलों में अब कारण सहित ऑनलाइन, जियोटेग फोटो एवं अन्य सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उल्लेखनीय है कि इन आवेदनों के निस्तारण की समय-सीमा भी 15 दिन से घटाकर 10 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार, न्यायालय के माध्यम से अमलगमेशन, मृत्यु की स्थिति, गिफ्ट डीड, विक्रय तथा सब-डिवाइडेड प्लॉट के ट्रांसफर जैसे विभिन्न प्रकरणों के निस्तारण की समय-सीमा में भी कमी कर उद्यमियों को बड़ी राहत प्रदान की गई है। रीको की इस पहल से भूखण्ड आवंटियों को विभिन्न प्रकार की स्वीकृतियां बहुत कम समय में मिल सकेंगी एवं वे अपनी परियोजनाएं जल्द स्थापित कर सकेंगे।

## पूर्व आई.ए.एस. सुबोध अग्रवाल 13 अप्रैल तक रिमांड पर

960 करोड़ रुपए के जल जीवन मिशन घोटाले के मामले में एसीबी ने किया था गिरफ्तार

■ कार्यालय संवाददाता- जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन में हुए करीब 960 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को 13 अप्रैल तक रिमांड पर एसीबी को सौंप दिया है। हाल ही में अदालत की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को भण्डा घोषित करने के बाद एसीबी ने उसे गिरफ्तार किया था।

एसीबी की ओर से आरोपी सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा। एसीबी की ओर से कहा गया कि आरोपी से प्रकरण को लेकर पूछताछ करनी है। वहीं यह भी जानकारी हासिल की जाएगी कि इस घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। वहीं सुबोध अग्रवाल के वकील ने पुलिस रिमांड का विरोध किया। दोनों पक्षों को बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को 13 अप्रैल तक पुलिस

रिमांड पर सौंप दिया है। बाहर आकर सुबोध अग्रवाल ने कहा कि उन्हें न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है, सत्यमेव जयते।

ज्ञात रहे कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने पूर्व में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी और टेका फर्म के संचालकों को गिरफ्तार किया था। जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। वहीं गत दिनों एसीबी ने जलदाय विभाग के वर्तमान और पूर्व अधिकारियों दिनेश गोयल, कुण्डीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड़, महेंद्र प्रकाश सोनी, गिरिल कुमार और मुकेश पाठक को गिरफ्तार किया था। एसीबी कोर्ट इन सभी अधिकारियों को जमानत अर्जियों को खारिज कर चुकी है। इसके अलावा तीन अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं।

सुबोध अग्रवाल की ओर से मामले में अपने खिलाफ दर्ज एसीबी की इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए

हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। गत 19 फरवरी को याचिका दायर होने के बाद नाटकीय घटनाक्रम में उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर अपना वकालतनामा वापस ले लिया। अब उनकी ओर से दूसरे अधिवक्ता पेश हो रहे हैं। सुबोध अग्रवाल का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी विशाल सक्सेना के बयान पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, जबकि मामले का खुलासा होने के बाद उसके कार्यकाल में विशाल पर कार्रवाई की गई थी।

गौरलब है कि जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर एसीबी ने साल 2024 में एफआईआर दर्ज की थी। जांच में सामने आया कि टेका फर्म श्री गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम ट्यूबवेल के संचालकों ने इस्कॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फर्जी प्रमाण पत्र तैयार कर पीएचईडी के अफसरों से मिलीभगत कर करीब 960 करोड़ रुपए के टेंडर हासिल किए।

## “ट्री हाऊस हाई स्कूल” की मनमर्जी का मामला सीबीएसई तक पहुंचा

कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का निरीक्षण कर हालात जांचे

जयपुर। राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में “ट्री हाऊस हाई स्कूल” पिछले 4 दिनों से बंद है। स्कूल संचालकों ने सत्र 2026-27 की फीस वसूलने के बावजूद अधोषिक्त रूप से स्कूल बंद कर रखा है। स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों और बच्चों के भविष्य की चिंता किए बिना मनमर्जी से गत मंगलवार को स्कूल बंद कर दिया था, इसकी पूरी शिकायत सी.बी.एस.ई. तक भी पहुंची है। उधर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने भी स्कूल का औचक निरीक्षण कर बच्चों के भविष्य के लिए हालात जांचे हैं। उधर अभिभावकों ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग पहुंचकर प्रकरण की

शिकायतें की हैं, परंतु अधिकारियों ने स्कूल पर कोई एक्शन लेने के बजाय अभी चर्चा करके फैसला लेने की बात कही है।

गौरतलब है कि, विद्या भारती समिति द्वारा श्याम नगर में “ट्री हाऊस हाई स्कूल” संचालित की जा रही थी। उन्होंने यह स्कूल बिल्डिंग अरिहत एंटरप्राइजेज के मालिक विनय चौधरी से 10.67 लाख रु. प्रतिमाह किराये पर ली थी। परंतु पिछले 4 वर्षों से स्कूल संचालक राजेश भाटिया किराया नहीं चुका पा रहा था, ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बकाया 4.21 करोड़ रुपए को लेकर भारी विवाद है। गत

मंगलवार को भाटिया अचानक स्कूल बंद करके फरार हो गया। पिछले 3 दिनों से बच्चे और अभिभावक स्कूल प्रबंधन से लेकर विधायक, पुलिस, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के पास चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कहीं से कोई राहत नहीं मिलती दिख रही। इस पूरे प्रकरण में “ट्री हाऊस हाई स्कूल” पर शिक्षा विभाग और सीबीएसई द्वारा अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया जाना भी संशय की स्थिति पैदा कर रहा है।

हालांकि शुक्रवार को सी.बी.एस.ई. के अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर हालात देखे और साफ कहा कि हमें स्कूल बंद करने के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली

है। ऐसे अचानक स्कूल बंद नहीं किया जा सकता, इसके लिए कम से कम 3 महीने पहले सूचना देनी होती है। ऐसे में फिलहाल 3 महीने तक स्कूल की मान्यता रद्द नहीं हो पाएगी। उधर अभिभावकों का कहना है कि, जिला कलेक्टर मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने भी सभी बच्चों के भविष्य की चिंता करने के बजाय सिर्फ आर.टी.ई. में पढ़ रहे बच्चों को अन्यत्र शिफ्टिंग को लेकर ज्यादा बातचीत की। हेरानी की बात है कि आखिर कोई स्कूल कैसे मनमर्जी से बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर सकता है, सरकार और प्रशासन इस पर कोई एक्शन क्यों नहीं ले रहा?

## निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद

जयपुर। राजधानी जयपुर समेत प्रदेशभर में “राजिंडग राजस्थान” समिट के दौरान हुए निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की कवायद चल रही है। जयपुर जिला प्रशासन की मॉनिटरिंग से 187 में से 30 एमओयू जमीन पर उतर चुके हैं। ज्ञात रहे कि समिट के दौरान 33 हजार 698 करोड़ रुपए के कुल 187 एमओयू हुए थे, जिनमें से 2965 करोड़ रुपए से ज्यादा के 30 समझौता को धरातल पर उतारा है। शुक्रवार को जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें राजिंडग राजस्थान समिट के अंतर्गत निष्पादित एमओयू की प्रगति की समीक्षा की गई।

## अनंत अंबानी की संस्था गुजरात के जाम नगर में खोलेगी “वनतारा यूनिवर्सिटी”

जामनगर (गुजरात)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के एजीव्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी की बनाई ग्लोबल वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन ऑर्गनाइजेशन “वनतारा” ने गुजरात के जामनगर में वनतारा यूनिवर्सिटी शुरू करने की घोषणा की है। यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी।

■ यह वन्यजीव संरक्षण और पशु चिकित्सा विज्ञान को समर्पित दुनिया की पहली एकीकृत वैश्विक यूनिवर्सिटी होगी

वनतारा यूनिवर्सिटी की नींव पशु कल्याण, वैज्ञानिक प्रगति और वन्यजीव संरक्षण पर आधारित है। इस संस्थान का लक्ष्य पशु चिकित्सा, संरक्षण और वन्यजीव देखभाल के क्षेत्र में भविष्य के लीडर्स तैयार करना है। इसका पाठ्यक्रम भारत की सदियों पुरानी ज्ञान परंपराओं का उपयोग करके शिक्षा का एक उद्देश्य-पूर्ण और भविष्य-उन्मुखी मॉडल तैयार करेगा।

सर्वजनिक जीवन के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अनंत अंबानी के शिक्षक और मार्गदर्शक भी शामिल हुए। समारोह का एक मुख्य आकर्षण मिट्टी, जल और पथरों को विधि-विधान से स्थापित करने की रस्म थी, जिसे शिलान्यास के एक प्रतीकात्मक कार्य के रूप में संघन किया गया। वनतारा यूनिवर्सिटी अलग-अलग सब्जेक्ट्स में अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट, फेलोशिप और स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम ऑफर करेगी। इनमें वाइल्डलाइफ मेडिसिन और सर्जरी, न्यूट्रिशन, बिहेवियरल साइंसेज, जेनेटिक्स, एपिडेमियोलॉजी, वन हेल्थ, कंजर्वेशन पॉलिसी और नेचुरलिस्टिक एनिमल केयर एनवायरनमेंट डिजाइन की पढ़ाई होगी।

वनतारा की कार्यक्षमता के अनुरूप विशेष कॉलेज भी स्थापित किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियां भी प्रदान की जाएंगी। शिलान्यास समारोह ने करुणा-आधारित संरक्षण शिक्षा को आगे बढ़ाने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयास की शुरुआत भी दर्शाई।

■ कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शांति गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके मुखबिर् को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनकम टैक्स रेड का भय दिखाकर 90 लाख रुपये की ठगी करने वाले शांति टग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल (58) निवासी चूरू हाल माचेडा (हरमाडा) सहित मुखबिर् रोहित वर्मा (24) निवासी नेपाल हाल वीकेआई गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 77 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी बाबूलाल वर्मा के पास से 52 लाख रुपये नकद मिले, जबकि रोहित वर्मा से 50 हजार रुपये बरामद हुए। इसके अलावा आरोपी द्वारा ठगी की रकम से केनरा बैंक में लिया गया

■ मुरलीपुरा पुलिस ने शांति नटवरलाल समेत दो बदमाशों को दबोचा

■ वारदात के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा

17 मार्च 2026 को अपना प्लॉट बेचा था, जिसके एवज में उसे 90 लाख रुपये प्राप्त हुए। इसी दौरान मौजूद रोहित वर्मा ने रुपयों से भरे बैग और पूरी जानकारी शांति टग बाबूलाल वर्मा उर्फ बी.एल. गोयल को दे दी। जहां योजना के तहत अगले ही दिन आरोपी बाबूलाल वर्मा परिवारी के पास पहुंचा और खुद को प्रभावाशली बताते हुए इनकम टैक्स रेड पढ़ने का डर दिखाया। उसने रुपयों को सुरक्षित रखने के बहाने परिवारी को साथ लिया और एक बंद मकान में ले जाकर दूसरी मंजिल पर रखे पुराने फ्रिज में रुपयों से भरा बैग रखवा दिया। इसके बाद परिवारी को भोजन के बहाने बाहर भेज दिया। जब परिवारी वापस लौटा तो आरोपी और रुपयों से भरा बैग दोनों गायब थे। इस घटना के बाद आरोपी मुंबई, भोपाल और उदयपुर में फरारी काटता रहा। जहां गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल से लेकर भागने के पूरे रूट के सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिससे आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोचा।

## चंद्रवाजी में 795 किलो विस्फोटक के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे थे दोनों आरोपी



जयपुर। जयपुर ग्रामीण के चंद्रवाजी थाना क्षेत्र में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। खदान क्षेत्र में अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए पुलिस ने 795 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री का खजारा जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि जयपुर ग्रामीण जिले में विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) रणवीर सिंह और वृत्ताधिकारी जमवारामगड रामकिशन विश्वासे के सुपरविजन में थानाधिकारी नितिन चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि त्रिवेणी क्रेसर के पास खदान क्षेत्र में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री इकट्ठा कर अवैध ब्लास्टिंग की तैयारी की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दक्षिण देकर

कांकड़ की ढाणी, मानपुरा माचेडी निवासी बाबूलाल यादव और सुरेश कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने 286 नग अमोनियम नाइट्रेट बूस्टर (कुल 795 किलो), 121 डेटोनेटर डीटीएच वायर सहित, एक जिलेटिन बत्ती तथा 4 अतिरिक्त डेटोनेटर बरामद किए। इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बिना लाइसेंस रखना गंभीर अपराध माना जाता है, जिससे बड़ा हादसा हो

सकता था। आरोपी विस्फोटक सामग्री के संबंध में कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर पुलिस ने विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम के हरिमाण, हेड कांस्टेबल सुभाष चंद और कांस्टेबल रोहितारा सहित अन्य कर्मियों की अहम भूमिका रही। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जांच में जुटी है।

## हथिनी को गुलाबी रंगने और मृत्यु के विरोध में प्रदर्शन



राजधानी जयपुर में हथिनी चंचल को गुलाबी रंगने और उसके बाद विदेशी फोटोग्राफर द्वारा फोटोशूट किये जाने के विरोध में शुक्रवार को घेरा द्वारा अलबर्ट हाल पर प्रदर्शन किया गया। ज्ञात रहे कि यह फोटोशूट करीब 1 साल पहले हुआ था, हथिनी चंचल की मौत भी हो चुकी है। पिछले दिनों जब यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आयी थी, उसके बाद जपकर विवाद उपजा था। फोटो-राष्ट्रदूत





मैच के बाद क्रिस ब्रांड, जो स्टुअर्ट ब्रांड के पिता हैं, ने उनसे अपने बेटे के लिए एक जर्सी पर ऑटोग्राफ देने को कहा था। युवराज ने जर्सी पर संदेश भी लिखा था, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए ब्रांड के बेहतर भविष्य की कामना की थी। - युवराज सिंह

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, स्टुअर्ट ब्रांड को लेकर बोलते हुए।



आज का खिलाड़ी



हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को तुषार खंडेकर की जगह ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी कोच टिम वाइट को जूनियर महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। खंडेकर 2023 से जूनियर महिला हॉकी टीम के साथ थे। राष्ट्रीय महासंघ ने इस बदलाव के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और

टिम वाइट

राष्ट्रदूत अजमेर, 11 अप्रैल, 2026

5

क्या आप जानते हैं?... रोहित शर्मा द्वारा 2014 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया गया 264 रन किसी भी खिलाड़ी द्वारा वनडे में सबसे अधिक रन है।



जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम मैदान पर आईपीएल लीग मैचों में से चार मैच जयपुर में खेले जाएंगे जिसकी तैयारियां पूरे जोर शोर से जारी हैं जिसमें दर्शकों के बैठने की कुर्सियां ठीक की जा रही हैं साथ ही मैदान को मॉटेन किया जा रहा है। 25 अप्रैल को आईपीएल का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। इस बार मैदान पर आईपीएल मैच के दौरान रोशनी पहले के मुकाबले ज्यादा रहेगी। क्योंकि चारों ओर से फ्लड लाइटें बदलने का काम लगभग जारी है। इन पर नई एलईडी फ्लड लाइटें लगाने का काम शुरू कर दिया गया है।

## राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से हराया

वैभव ने 26 बॉल पर 78 रन बनाए, 7 छक्के लगाए, जुरेल ने भी फिफ्टी लगाई

गुवाहाटी, 10 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी को 6 विकेट से बुरी तरह हरा दिया है। वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल की धमकेदार बल्लेबाजी के कारण आरसीबी के गेंदबाजी 201 रन के स्कोर को डिफेंड नहीं कर सका। राजस्थान रॉयल्स ने 202 रनों के लक्ष्य को 18 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज की है, वहीं आरसीबी को इस टूर्नामेंट में यह पहली हार मिली है। चार मैचों में चार जीत के साथ राजस्थान की टीम पॉइंट्स टेबल पर टॉप पर बनी हुई है। इसके गेंदबाज रवि बिश्नोई के नाम परफॉर्म कैप है, जबकि वैभव सूर्यवंशी के पास ऑरेंज कैप है।

बारिश के कारण पूरे 1 घंटे से अधिक की देरी से शुरू हुए मैच में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुरुआती ओवरों में उनका फैसला सही साबित हुआ। पावरप्ले में निश्चित तौर पर राजस्थान के गेंदबाजों की जीत हुई। वे ना सिर्फ रन रोकने में सफल



### वैभव ने गेंदबाजों की उड़ाई धज्जियां

वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को रॉयल चैलेंजर्स के खिलाफ मुकाबले में 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वह आईपीएल में लगातार दो बार 15 गेंदों के अंदर फिफ्टी लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। राजस्थान रॉयल्स के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर अपने बल्ले से सबको चौंका दिया है।

हुए हैं बल्कि तीन बड़े बल्लेबाजों को आउट किया। जोफ्रा आर्चर ने पारी की पहली गेंद पर ही फिल साल्ट को चलता किया। इसके बाद तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर देवदत्त पडिकरल को भी अपना शिकार बनाया।

पारी के पांचवें ओवर में रवि बिश्नोई ने विराट कोहली को क्लीन बॉल्ड कर दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर आरसीबी के विकेट गिरते रहे और एक वक्त तक तो 93 रनों के स्कोर पर टीम के 6 विकेट हो चुके थे। वहां से 201 के स्कोर तक पहुंचना मुश्किल था लेकिन कप्तान पाटीदार और अंत में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में वेंकटेश अय्यर ने अपना प्रभाव जमाया और टीम को एक बड़े लक्ष्य तक पहुंचाया। पाटीदार ने चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 40 गेंदों में 63 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में 29 रन जबकि रोमारियो शेफर्ड ने 11 गेंदों में 22 रन बनाए। शुरुआत में कोहली ने 16 गेंदों में 32 रन बनाए। इन बल्लेबाजों के अलावा कोई भी बड़ा स्कोर नहीं कर सका।

## झुंझुनू का शेर इंडियन प्रीमियर लीग में गरजा

// मुकुल चौधरी ने 27 गेंदों में जड़ा तूफानी अर्धशतक //

### आखिरी ओवर में लखनऊ को दिलाई सांसें रोक देने वाली जीत

झुंझुनू/ जयपुर, 10 अप्रैल। क्रिकेट के सबसे बड़े मंच 'इंडियन प्रीमियर लीग' में इस बार शेखावाटी की धरती से एक नया सितारा चमका है। झुंझुनू जिले के गुदगौड़जी क्षेत्र की मिट्टी से निकले युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी ने गुरुवार को अपनी विस्फोटक पारी से न सिर्फ मैच का रुख पलट दिया, बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में मुकुल ने मात्र 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन ठोककर लखनऊ को 3 विकेट से रोमांचक जीत दिला दी।



का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे राजस्थान अंडर-17 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं।

### आखिरी ओवर का 'महाभारत': जब मुकुल बने संकटमोचक

मैच का फैसला आखिरी ओवर में होना था। जीत के लिए 14 रन चाहिए थे और गेंदबाजी कर रहे थे वैभव अरोड़ा, दबाव अपने चरम पर था, लेकिन मुकुल ने हिम्मत नहीं हारी। दूसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का, तीसरी-चौथी गेंद पर सननाटा, पांचवीं गेंद पर फिर छक्का लगाया। हर शांत के साथ स्टेडियम में रोमांच चरम पर पहुंचता गया और अंततः मुकुल ने मैच को अपने नाम कर लिया।

### युवाओं के लिए मिसाल, सपनों को दी उड़ान -

मुकुल की यह पारी सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है, जो छोटे शहरों और गांवों से निकलकर बड़ा मुकाम हासिल करना चाहते हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही दिशा मिले तो कोई भी सपना छोटा नहीं होता।

### शेखावाटी में जश्न, हर जुवां पर मुकुल का नाम -

जैसे ही जीत की खबर आई, झुंझुनू सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। गांव-गांव में मिठाइयां बांटी जा रही हैं, सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा है। स्थानीय लोगों को अब उम्मीद है कि मुकुल आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट टीम में जगह बनाकर देश और अपने क्षेत्र का नाम और रोशन करेंगे।

## एसआर स्पेस क्रिकेट अकादमी जीती



जयपुर, 10 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में वर्धमान क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 32 ओवर में 127 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। पीयूष शर्मा ने सर्वाधिक 35 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से केशव ने 5 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने के लिए एसआर स्पेसक्रिकेट अकादमी ने 31 ओवर में 128 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। आदित्य ने 30 और मनन सिंह ने 25 रनों को योगदान दिया। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से गितेश पुरोहित ने 4 विकेट लिए।

## बाबर आजम ने सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बता दें कि उन्होंने 1220 क्रिकेट में सबसे तेज 12 हजार रन पूरे करने का कारनामा किया है, जो उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 के मुकाबले के दौरान हासिल किया।



338 पारियों में पूरा किया, जिससे उन्होंने क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इस मुकाम तक पहुंचने में 343 पारियां ली थीं। वहीं, विराट कोहली इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 360 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। बताया जाते हैं कि बाबर आजम पाकिस्तान के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने 1220 क्रिकेट में 12 हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनसे पहले शोएब मलिक यह कारनामा कर चुके हैं और अब भी पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड के साथ मिलकर 199 रनों की बड़ी साझेदारी की है, जिसकी बंदीलत टीम ने निर्धारित ओवरों में 246 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। गौरतलब है कि बाबर आजम ने यह रिकॉर्ड

## ओडिशा की एलिश एवका ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। महज 17 साल की उम्र में ओडिशा की एलिश एवका ने इतिहास रच दिया है। एवका के गले में चमकता सिल्वर मेडल सिर्फ एक खेल की जीत नहीं बल्कि उनकी मां के अथाह त्याग और अदम्य साहस का एक सुंदर उदाहरण भी है। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के एक गांधारण से गांव संतोषपुर की एलिश एवका की कहानी शुरु होती है। हॉकी से लौकिक मां प्रमिला एवका खुद राज्य स्तर की हॉकी खिलाड़ी रह चुकी हैं। मां की तरह एलिश ने भी बतौर स्ट्राइकर हॉकी में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा लेकिन टीम स्पॉटर्स में मिलने वाले सीमित मौकों ने एलिश को अपने खेल सफर पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर किया।

## एशिया चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी का कारनामा दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एशिया चैंपियनशिप 2026 के मेंस सिंगल क्वार्टरफाइनल में शानदार खेल दिखाया है। इस दौरान उन्होंने इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया है, जो दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं। इस जीत के साथ ही भारत का एक मेडल पक्का हो गया है। हालांकि, आयुष सेमीफाइनल में भी अपनी इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे और जीत हासिल कर फाइनल में अपनी जगह बनाना चाहेंगे। 20 वर्षीय आयुष ने 2023 में वर्ल्ड

जूनियर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, इस मैच में दबाव में भी बिल्कुल शांत रहे। पहले गेम में उन्होंने दो गेम व्हाइट्स बचाए और खुद एक पॉइंट चूकने के बाद भी 23-21 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ी कई बार बराबरी पर थे, लेकिन 10-9 की बढ़त लेने के बाद आयुष ने अपनी लय बनाए रखी और 21-17 से मैच अपने नाम कर लिया। ये मुकाबला 54 मिनट तक चला। इस जीत के साथ आयुष शेट्टी अब सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर 1 थाईलैंड के कुनलावुत विटिडिसर्न से भिड़ेंगे।

आयुष इस पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी गेम नहीं हारे हैं जो उनकी फॉर्म को दिखाता है। आयुष ने टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में भी मजबूत विरोधियों को हराया था। इस दौरान उन्होंने चीन के 7वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी शी फेंग और चाइनीज ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर फाइनल तक पहुंच बनाया था। आयुष शेट्टी की ये जीत न सिर्फ उनके करियर के लिए बल्कि पूरे भारतीय बैडमिंटन के लिए बेहद अहम है। युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास और मैच फिनिशिंग स्किल इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है।

## विश्वनाथ को गोल्ड, भारत ने एशियाई मुक्केबाजी अभियान का समापन 5 स्वर्ण पदक के साथ किया

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। भारत ने शुक्रवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के अपने यादगार अभियान का समापन पुरुषों के 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश के स्वर्ण पदक के साथ किया। विश्वनाथ ने फाइनल में दबदबा बनाते हुए जापान के दाईची इवाई को 5-0 से शिकस्त दी।



ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा जिसमें उन्होंने 10 पदक जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इन 10 पदकों में चार स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल थे जो महाद्वीपीय स्तर पर उनके अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विश्वनाथ ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया जो मुक्केबाजी की दुनिया में उनकी तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और सफलता का एक

महत्वपूर्ण पड़ाव है। विश्वनाथ ने अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी एक मजबूत पहचान बना ली है। उलानबटोर में उनका अभियान विशेष रूप से प्रभावशाली रहा जिसमें फाइनल तक पहुंचने के क्रम में उन्होंने दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज को हराकर उलटफेर किया।

## आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आज जयपुर में होगी आयोजित

जयपुर, 10 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव की अध्यक्षता में आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग कल दिनांक 11 अप्रैल 2026 को दोपहर 2.00 बजे आरसीए कार्यालय, आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित होगी। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग के मुख्य एजेंडे:- आरसीए का घरेलू क्रिकेट सत्र, जिला क्रिकेट संघों की समस्याएं, राजस्थान प्रीमियर लीग (आरपीएल), आईपीएल, राजस्थान राज्य क्रोडा परिषद, आरसीए अर्वाड समारोह, अन्य मुद्दे। आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य धनञ्जय सिंह खींचर, आशीष तिवारी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवी उपस्थित रहेंगे।

## इंडियन सुपर लीग के व्यावसायिक फैसले पर भारतीय फुटबॉल महासंघ-क्लबों में टकराव

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। भारतीय फुटबॉल में इस समय एक अहम व्यावसायिक फैसले को लेकर खींचतान का माहौल बना दिख रहा है और इससे लीग के भविष्य को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, इंडियन सुपर लीग के क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से यह मांग की है कि संभावित व्यावसायिक साझेदारों से सीधे बातचीत का मौका दिया जाए। क्लबों का मानना है कि उन्हें टेंडर प्रक्रिया की शुरूआती मिलने के आधार पर नहीं, बल्कि कंपनियों की पूरी योजना, राजस्व मॉडल और दीर्घकालिक दृष्टि को समझकर लिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस प्रक्रिया के लिए पहले से एक मूल्यांकन समिति बनाई गई थी, जिसमें क्लबों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि

जब समिति मौजूद है, तो फिर क्लबों को अलग से बातचीत की जरूरत क्यों पड़ रही है। यही वजह है कि पूरे चयन प्रक्रिया को पारदर्शिता पर भी चर्चा तेज हो गई है। बता दें कि इस टेंडर प्रक्रिया में दो प्रमुख कंपनियों ने बोली लगाई है, जिनमें एक की बोली करीब 64 करोड़ रुपये सालाना और दूसरी की करीब 36 करोड़ रुपये सालाना बताई जा रही है। हालांकि यह आंकड़े पहले के कमर्शियल डील द्वारा सुझाए गए का मानना है कि यह संभावित आय के मुकाबले काफी कम माने जा रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, क्लबों ने यह भी कहा है कि उन्हें टेंडर प्रक्रिया की शुरूआती शर्तों के निर्माण में शामिल नहीं किया गया था, जबकि यह समझौता भारतीय फुटबॉल की प्रतिनिधि द्वारा और भविष्य को सीधे संभावित करेगा।

## जोधपुर एकेडमी बनी चैंपियन, रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में झुंझुनू को हराया

चित्तौड़गढ़, 10 अप्रैल। आल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार तथा राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला जोधपुर फुटबॉल अकेडमी और झुंझुनू के मध्य खेला गया दोनों टीमों खेल का उच्च कोटि का प्रदर्शन किया पर फर्स्ट ऑफ में दोनों टीमों बराबर रही और अंतिम समय तक दोनों टीमों बराबर रही उसके बाद ट्राई ब्रेकर शूटआउट हुआ उसमें जोधपुर फुटबॉल अकेडमी, झुंझुनू, से 4/2 से विजेता हुई।



प्रतिस्पर्धा का शानदार संगम देखने को मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि छोटी सादड़ी के पूर्व प्रधान मनोहर लाल जिला रहे, जबकि अध्यक्षता जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भैरुलाल चौधरी, पूर्व सरस डेयरी चेयरमैन ब्रदी लाल जगपुरा, राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सेक्रेटरी दिलीप सिंह शेखावत, और संघ संयुक्त सचिव दिनेश सिंह, सुनील और पवन शर्मा

मौजूद खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा। राष्ट्रीय स्तर का रास्ता खुला: चित्तौड़गढ़ सेक्रेटरी फैसल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि चार दिवसीय इस प्रतियोगिता खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। इसी प्रतियोगिता के माध्यम से राजस्थान टीम का चयन किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेगी। विजेता-उपविजेता का समापन: फाइनल मैच के पश्चात आयोजित समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, स्मृति चिह्न एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर दर्शकों ने तालियों की गूंज से उनका उत्साह बढ़ाया।

## वैशाली का जलवा, टॉप पर रहकर वर्ल्ड चैंपियनशिप की ओर बढ़ाया कदम

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। उज्बेकिस्तान के जवोकिर सिंदरोव ने भारत के आर. प्रह्लादानंदा को हराकर केनिडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए अपना दबदबा कायम रखा और दसवें दौर के बाद दो अंक की बड़ी बढ़त कायम कर ली। सिंदरोव ने इस टूर्नामेंट में छठी जीत हासिल करते हुए कुल आठ अंक कर लिए, जिसमें भारत के युवा ग्रैंडमास्टर पर यह दूसरी जीत भी शामिल थी।

## राजस्थान वेटरन टीम ने विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 10 अप्रैल। आईसीसी ग्रांड, इंदौर में आयोजित तीन टीमों की मध्य क्षेत्र वेटरन टी-20 लीग में राजस्थान वेटरन टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विदर्भ वेटरन टीम को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब फाइनल मुकाबला कल मध्य प्रदेश और विदर्भ के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा। राजस्थान टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। विदर्भ टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से हरेश मुंगसे



ने 70 रन (43 गेंद, 10 चौके, 2 छक्के) और प्रेषित चिलाले ने 24 रन का योगदान दिया। राजस्थान की ओर से गेंदबाजी में रिजाल खान ने 32 रन देकर 4 विकेट, बनवारी लाल जाटोलिया ने 20 रन देकर 2 विकेट तथा दिनेश आर्य ने 27 रन देकर 2

विकेट प्राप्त किए। जवाबी पारी में राजस्थान की शुरुआत साधारण रही और 79 रन पर 5 विकेट गिर गए। हनुमंत सिंह भाटी (30 रन), मोहम्मद अशरफ (23 रन) और अभिषेक शर्मा (12 रन) के आउट होने के बाद टीम संकट में थी। इसके बाद रिजाल खान (44 रन नाबाद) और बनवारी लाल जाटोलिया (48 रन नाबाद) ने छठे विकेट के लिए 94 रनों का नाबाद साझेदारी कर टीम को 5 विकेट से जीत दिलाते हुए फाइनल में पहुंचाया। इस मैच के मैदान ऑफ द मैच रिजाल खान रहे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER  
PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN  
S.No. 19 Date 08.04.26  
Notice Inviting Bid  
(NIT No 02/2026-27)  
Bids for 02 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 27.04.2026 (Monday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portalhttp://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppr.jn.nic.in of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 148.11 Lac  
1. PWD2627WSOB00332  
2. PWD2627WSOB00334  
(Rachit Sharma)  
Executive Engineer  
PWD Elect. Dn Baran  
DIPRC/6697/2026

# “ग्राम” से किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता को मिलेगा एक मंच- भजनलाल शर्मा

## ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम 2026) के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया

जयपुर, 10 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान मजबूत होगा तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार राज्य के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कृतसंकल्प है। इसी क्रम में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम- 2026) का आयोजन हो रहा है, जिसमें प्रदेशभर के किसानों को खेती के नवीनतम आधुनिक तरीकों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि “ग्राम” के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए 15 अप्रैल से ग्राम प्रचारित स्तर पर किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं को लेकर रथ भेजे जाएंगे, जिससे किसान लाभान्वित हो सकें। इनमें सुझाव पेटिका भी रखी जाएगी, जिससे किसान योजनाओं से जुड़े अपने सुझाव भी दे सकें।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राज्य ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक (ग्राम- 2026) मीट के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ग्राम-2026 एक ऐसा मंच होगा, जहाँ किसान, वैज्ञानिक, निवेशक और नीति निर्माता मिलकर किसानों के सशक्तीकरण के लिए संवाद करेंगे। इस मीट के माध्यम से कृषि और उससे जुड़े सेक्टर पर एकेडमिक-संस्थागत एवं

विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ प्रदेश के किसानों को मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय जोनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था, जिसके

माध्यम से कृषि उत्पादन, जल प्रबंधन, फसल सुरक्षा और प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई थी।

इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी सरकार को

■ **ग्राम 2026 का जयपुर में 23 से 25 मई को आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में शर्मा ने ग्राम 2026 के लोगो और ब्रोशर का अनावरण भी किया।**

प्राथमिकता है कि किसान पारम्परिक खेती से हटकर आधुनिक खेती की ओर बढ़ें तथा खेती में नई-नई तकनीकों का उपयोग कर समृद्ध एवं खुशहाल बनीं। ग्राम-2026 के माध्यम से किसानों को विश्वभर से आए कृषि विशेषज्ञों से नवीनतम तकनीकों की जानकारी मिलेगी। साथ ही, वे वैश्विक मंच से भी जुड़ पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अगुवाई में हमारी सरकार किसानों को आगे बढ़ाने एवं उनके सम्मान के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

इस दौरान शर्मा ने ग्राम के लोगो का अनावरण एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री जोरामान कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दया, मुख्य सचिव श्री. श्रीनिवास सहित, विभिन्न अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

## ‘ट्रम्प ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से अमेरिका को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की ओर धकेलते रहे हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और जो बाइडेन ने ऐसे प्रस्तावों को पहले ठुकरा दिया था। ट्रम्प की सरकारी संचार सेवा अनाडोलू एजेंसी (एए) ने बोस्टन पब्लिक रैडियो पर दिए एक इंटरव्यू के हवाले से बताया कि अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का रवैया बढ़े वैश्विक और आर्थिक नतीजों को जन्म दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नाजुक सीज़फायर पर भी सवाल उठाए। साथ ही उन्होंने मौजूदा दो हफ़्ते के सीज़फायर पर सवाल उठाते हुए इसे बिंदू-ढाला-ढाला बताया। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी, जो एक पूर्व सीनेटर भी हैं और साल 2015 में उन्होंने ईरान के साथ परमाणु समझौते में बातचीत में अहम भूमिका निभाई थी।

## कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)  
दक्षिणी राज्यों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। स्टालिन और अन्य मुख्यमंत्रियों ने इस असंतुलित परिणाम को स्वीकार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि यह बड़े राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश, को ज्यादा ताकत देता है और अरब राज्यों को असहय छोड़ देता है।

साथ ही, छोटे राज्यों ने भी इसे स्वीकार करने से इनकार किया है, क्योंकि इससे उनकी भूमिका नगण्य हो जाएगी।

सितंबर 2023 में सरकार ने विपक्ष के समर्थन से एक बिल पारित किया था, जिसमें कहा गया था कि महिलाओं के आरक्षण को केवल जनगणना और परिणाम के बाद ही लागू किया जा सकता है।

पर कांग्रेस ने कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं है, बस महिलाओं के आरक्षण को लागू किया जाए और इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से प्रभावी किया जाए। अब सरकार एक अलग और जटिलबाजी वाली रणनीति अपना रही है, जो महिलाओं के आरक्षण के बजाय, राजनीतिक और रणनीतिक लाभ पर केंद्रित है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष अब असमंजस की स्थिति में है, और वे संख्या प्रबंधन की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि संविधान संशोधन बिल विपक्ष के समर्थन के बिना नहीं लाया जा सकता।

# कच्चे रास्ते पर सो रहे परिवार को ट्रेलर ने कुचला

## माँ-बेटी और भांजी की मौत, तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

■ **जिंदगी के लिए जूझ रहे बच्चों की जयपुर रेफर कर दिया गया है।**

में थे, तभी सुबह करीब कर बजे एक तेज रस्ता ट्रैलर कच्चे रास्ते पर बेकाबू हो गया और सो रहे परिवार के ऊपर चढ़ गया, जिससे होटकी और उसके साथ सो रहे बच्चे बुढ़ी तरह कुचल गए, जबकि अनिल बच गया। आसपास मौजूद लोगों और परिजनो ने तुरंत दौड़कर घायलों को भाला। इस भयावह हादसे में होटकी की 13 वर्षीय बेटी पायल उर्फ मोडी की मौत पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को तुरंत गुदगोडजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ प्रियंका को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को बुद्धुनू के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया, जहाँ इलाज देते-ते-ते ही 7 घण्टों में चार बच्चे अभी भी जिंदागी और मौत के बीच झूल रहे हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रेफर

किया गया है, जबकि रविना का इलाज बुद्धुनू के राजकीय बीडीके अस्पताल में कर रहा है। हादसे के तुरंत बाद गुस्सा परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रैलर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

बताया जा रहा है कि चालक ने अपने परिजनों को फोन कर बुलाया, जिनकी गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पंडित परिवार का आरोप है कि चालक के परिजन घायलों को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद शुक्रवार सुबह जब परिजन पोस्टमार्टम के लिए गुदगोडजी पहुंचे तो उनका गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने थोड़ी की चोराहे पर जाम लगा दिया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर पहुंचे गुदगोडजी थानाधिकारी सीआई सुरेश रोलान ने समझा-बुझ कर लोगों को शांत किया और जाम खुलवाया। सीआई ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि ट्रैलर को जब्त कर लिया गया है और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया गया है, साथ ही मामले में सख्त कार्रवाई कांवाई की जाएगी।

# पाक रक्षा मंत्री ने इज़रायल को “शैतान” और “मानवता के लिए अभिशाप” बताया

## पर, इज़रायल के प्र.मंत्री नेतन्याहू की घुड़की के बाद यह पोस्ट डिलीट की

■ **खाजा आसिफ ने इज़रायल की तुलना कैसर से की और कहा, इज़रायल सिर्फ लड़ाई चाहता है। उनका इशारा समझौता वार्ता के बीच में इज़रायल द्वारा लेबनान पर हमला करने के संदर्भ में था।**

■ **नेतन्याहू ने इस पर कड़ा विरोध जताया और कहा, इज़रायल को “कैसर” बताने का अर्थ है, वे इज़रायल का खात्मा करना चाहते हैं और जो इज़रायल का विनाश चाहते हैं, हम उनसे लड़ेंगे।**

जैसा राज्य बनाया, वे नरक में जलें।” नेतन्याहू ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इज़रायल को नष्ट करने का आ न “असहनी” है।

नेतन्याहू के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, “यह कोई ऐसा बयान नहीं है, जिसे कोई सरकार सहन कर सके, खासकर उस सरकार की तरफ से, जो शांति के लिए दृढ़ संकल्प मध्यस्थ होने का दावा करती है।”

इज़रायल के विदेश मंत्री गिदेओन सार ने भी पाकिस्तान के नेतृत्व को सार्वजनिक रूप से निंदा की, यह दर्शाते

ले रहा है। इस बीच, नेतन्याहू ने गुरुवार को कहा कि इजरायल ने लेबनान के साथ “जितनी जल्दी संभव हो, सीधे वार्ता” करने का आदेश दिया है। यह कदम तब आया है, जब यूएस, इज़रायल और ईरान के बीच दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम पर खतरा मंडरा रहा है, विशेषकर इज़रायल के लेबनान में सैन्य अभियान की तेजी के बाद।

उनके कार्यालय ने बयान में कहा, “लेबनान की बार-बार की मांग के मद्देनजर कि इज़रायल के साथ सीधे वार्ता खोली जाए, मैंने कैंबेनट को निर्देश दिया कि जितनी जल्दी संभव हो, लेबनान के साथ सीधे वार्ता शुरू की जाए।”

बयान में आगे कहा गया, “वार्ता को मध्यम उद्देश्य हिजबुल्लाह को निरस्त करना और इज़रायल और लेबनान के बीच शांति संबंध स्थापित करना होगा। इज़रायल आज लेबनान के प्रधानमंत्री द्वारा बेरुत को निरस्त्रीकरण करने के आ न की सराहना करता है।”

# प्र.मंत्री मोदी और ममता बनर्जी में तेज हुआ “फिश वॉर”

## प्र.मंत्री मोदी ने कहा, ममता बनर्जी की गलत नीतियों के कारण बंगाली लोगों को अन्य राज्यों से मछली मंगानी पड़ती है

■ **प्रधानमंत्री ने कहा, पश्चिम बंगाल में मछली उत्पादन के भारी अवसर हैं, फिर भी राज्य आत्मनिर्भर नहीं है।**

■ **ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को खुद को अपडेट रखना चाहिए, हम पहले आंध्र से मछली मंगाते थे, पर, अब इसकी जरूरत नहीं पड़ती।**

इस राज्य को इसकी कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से मछली लानी पड़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की कड़ी आलोचना का जवाब देते हुए, बनर्जी ने

होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को अपडेट रखें।

बनर्जी ने कहा, “मैंने सुना कि आज उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली का उत्पादन नहीं होता, जबकि बिहार ज्यादा उत्पादन कर रहा है और निर्यात भी कर रहा है। लेकिन आप बिहार में लोगों को मछली खाने की अनुमति नहीं देते। यहाँ हम बाजार से मछली खरीदकर खाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभा में कहा, “पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन, मत्स्य उद्योग और सी फूड उत्पादन के मामले में बहुत बड़े अवसर हैं, यहाँ मछली की

मांग के बावजूद, राज्य मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है।”

उन्होंने इस जनसभा के एक वीडियो में कहा, “आज भी बंगाल को परेलू मांग पूरी करने के लिए अन्य राज्यों से मछली आयात करनी पड़ती है। सत्ता में 15 साल रहने के बावजूद, तुण्मूल कांग्रेस आपके मछली जैसी बुनियादी चीज भी उपलब्ध करने में विफल रही, वह भी राज्य के बाहर से लानी पड़ती है।”

प्रधानमंत्री ने इस स्थिति के लिए ममता बनर्जी पर सीधा हमला बोला और कहा, “यह तुण्मूल की भ्रामक नीतियों का एक स्पष्ट उदाहरण है। पिछले 11 वर्षों में भारत का कुल मछली उत्पादन दोगुना हो गया है।

भारत का सी फूड निर्यात दोगुना हो गया है। फिर भी, बंगाल में केवल तुण्मूल सरकार की वजह से, जो उपलब्ध देश के बाकी हिस्सों में हासिल की गई, वह यहाँ नहीं हो पायी।”

रैली के दौरान उन्होंने कहा कि अगर भाजपा विधायनसभा चुनाव जीतती है तो बंगाल के लिए छह गारंटियाँ दी जाएँगी। उन्होंने “क्रूर” तुण्मूल सरकार को हटाने की मांग की तथा उस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह “विकास की नई विफलताओं के मानक बना रही है और राज्य को पीछे धकेल रही है।”

## नीतीश ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सम्राट चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे। 69 वर्षीय हरिवंश का पिछला कार्यकाल 09 अप्रैल को पूरा होने के बाद राष्ट्रपति ट्रौपदी मुर्मू ने आज उनकी मनोनीति किया। उच्चतम न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोहोई के राजस्थान सदस्य के रूप में कार्यकाल पूरा होने के बाद एक सीट रिक्त हो गयी थी। राज्यसभा में कुल 12 सदस्यों को राष्ट्रपति मनोनीत करते हैं। इन सदस्यों को कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चुना जाता है।

# हुमायूँ कबीर के वीडियो के बाद औवैसी ने तोड़ा गठबंधन

## औवैसी ने कहा, उनकी पार्टी ऐसी किसी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं कर सकती, जिससे मुसलमानों की ईमानदारी पर प्रश्नचिन्ह लग जाए

—श्रीरंज झा—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। चुनाव से कुछ दिन पहले, तुण्मूल कांग्रेस ने राज्य की राजनीति में उस समय हलचल पैदा कर दी, जब उसने एक स्टिंग वीडियो जारी किया। वीडियो में आम जनता उग्रवर्ण पार्टी (एजेयूपी) नेता हुमायूँ कबीर वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ अपने संपर्क के बारे में बात करते दिख रहे हैं। वीडियो की सत्यता की पुष्टि हुई है और कबीर ने इसे एआई जनित बताते हुए खारिज कर दिया है।

वीडियो में यह बातचीत है कि कबीर को मुसलमान मतदाताओं को तुण्मूल कांग्रेस के खिलाफ वोट देने के लिए प्रभावित करने के लिए पैसा मिलेगा।

तुण्मूल कांग्रेस ने किसी भी राजनीतिक नेता या पार्टी के खिलाफ कोई सीधे आरोप नहीं लगाए। परंतु अप्रत्यक्ष रूप से, टीएमसी भाजपा को इसमें घसीट लायी और कहा कि यह कदम एक बड़ी राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। गैर-टीएमसी पार्टियों ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह वीडियो ऐसे समय पर जारी किया गया, जब चुनावों से पहले यह लोगों का अधिक ध्यान खींचेगा।

इस राजनीतिक गटबंद के बाद, असदुद्दीन औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने हुमायूँ कबीर को “आम जनता उग्रवर्ण पार्टी (एजेयूपी)” के साथ गठबंधन तोड़ दिया। दोनों नेता

मुसलमान वोट बैंक को मजबूत करने के विचार से एक साथ काम मिलकर कर रहे थे, ताकि तुण्मूल कांग्रेस को नुकसान पहुँचाया जा सके।

एआईएमआईएम ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा, “हुमायूँ कबीर के खुलासे दिखाते हैं कि बंगाल के मुसलमान कितने संवेदनशील हैं। एआईएमआईएम ऐसे किसी भी बयान से जुड़ी नहीं रह सकती, जिसमें मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठता हो। आज एआईएमआईएम ने कबीर की पार्टी के साथ अपना गठबंधन वापस ले लिया है।”

एआईएमआईएम ने आगे कहा कि वह बंगाल में स्वतंत्र राजनीतिक आवाज के लिए एकल स्तर पर काम करेगी। यह घोषणा उस दिन की गई, जब औवैसी कबीर की पार्टी के साथ बीरभूम, आसनसोल और कोलकाता सहित जिलों में संयुक्त अभियान शुरू करने वाले थे।

इस घटनाक्रम से मुसलमान बहुल

जिलों मुर्शिदाबाद, मालदा और साउथ 24 परगना में टीएमसी की संभावनाएँ मजबूत हो सकती हैं।

कबीर, जो पूर्व में टीएमसी विधायक रह चुके हैं, ने मध्य बंगाल, खासकर मुर्शिदाबाद जिले में लोकप्रियता हासिल कर ली है, खासकर बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद बनाने के अपने आ न के बाद कबीर ने पिछले साल दिसम्बर में टीएमसी से निष्कासित होने के बाद अपनी पार्टी बनाई। कबीर अक्सर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अन्यायकार का आरोप लगाते रहे हैं।

## जस्टिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस वर्मा ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है, न कि मोर्चे से। जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज कर दी थी।

# सीज़फायर दो पार्टियों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाना चाहिए, कब तक टिकेगा। तीसरा, संघर्ष का प्रॉक्सि के माध्यम से फैलाव, विशेषकर लेबनान और पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में, यह इज़रायल के अभियान व्यापक थिएटर को घटकने का जोखिम उठाता है। इनमें से प्रत्येक आपस में जुड़ा हुआ है, और वे परस्पर संयुक्त के अगले चरण को प्रभावित करते हैं।

होर्मुज़ स्ट्रेट अब भी सबसे महत्वपूर्ण लीवर बना हुआ है। वैश्विक तेल व्यापार का लगभग एक चौथाई हिस्सा इस संकरे मार्ग से गुजरता है, जिससे यह आर्थिक रक्तवाहिनियाँ हैं, साथ ही धर्मनिरपेक्ष और रणनीतिक जाम के बिंदु, दोनों के रूप में काम करता है। ईरान के निर्यात व्यवधान ने सिर्फ कुछ देशों के राज्यों को पारगमन की अनुमति दी है और उसने स्ट्रेट बंद करने की क्षमता का संकेत भी दिया है। ईरान ने पहले ही दिखा दिया है कि असमानता परंपरिक शक्ति से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। पुरी तरह से अस्वतंत्र होने पर भी, केवल अनिश्चितता ने शिपिंग लागत, बीमा प्रीमियम और ऊर्जा कीमतों को बढ़ा दिया है। भारत जैसे आयातक देशों के लिए, जोखिम केवल उच्च तेल बिल नहीं है, बल्कि वह अस्थिरता है, जो वित्तीय

योजना और मुद्रास्फीति प्रबंधन को जटिल बनाती है। सप्ताहों के बढ़ते तनाव के बाद प्रबंधित युद्धविराम अस्थायी शांति के अलावा कोई अधिक राहत नहीं देता। यह मुख्य विवादों को संबोधित नहीं करता: ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएँ, अमेरिका-इज़रायल सुरक्षा समीकरण, और विभिन्न संगठनों के माध्यम से तेहरान का क्षेत्रीय प्रभाव। वास्तव में, यह विराम सभी पक्षों को पुनर्गठित होने का अवसर देता है। वाशिंगटन अपनी निवारक क्षमता की सीमाओं का मूल्यांकन कर सकता है; तेहरान दबाव के लचीलेपन का परीक्षण कर सकता है, बिना उस सीमा को पार किए, जो भारी प्रतिशोध को आमंत्रित करे। यह क्लासिक ब्रिकमैनेजिग है, जहाँ संयम सामरिक है, परिवर्तनकारी नहीं।

अधिक चिंताजनक बात यह है कि संघर्ष क्षेत्र में फैल रहा है। लेबनान में इज़रायल के लगातार हमले और ईरान समर्थित समूहों की लगातार गतिविधियाँ यह संकेत देती हैं कि युद्धक्षेत्र छोटा नहीं हुआ, बल्कि स्थानांतरित हुआ है। ऐसे प्रॉक्सि टकराव संभावित इनकार की अनुमति देते हैं जबकि दबाव भी बनाए रखते हैं। फिर भी, ये गलत आकलन का जोखिम

बढ़ाते हैं। एक उच्च-हानि वाला हमला या गलत संकेत युद्धविराम को तोड़ सकता है और व्यापक संघर्ष को जन्म दे सकता है, जिसमें कई अभिनेता प्रतिस्पर्धी लाल रेखाओं के साथ शामिल हो सकते हैं।

आर्थिक परिणाम पहले ही दिखाई देने लगे हैं। तेल बाजारों में तीव्र प्रतिक्रिया हुई है, लेकिन द्वितीयक प्रभाव प्रभावित करता है। आपूर्ति श्रृंखलाएँ, जो पहले के झटकों से उबर ही रही हैं, फिर से तनाव का सामना कर रही हैं। वित्तीय बाजार, इस बीच, पू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम को शामिल कर रहे हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नकद पूंजी की स्थितियों को प्रभावित कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए, इसका अर्थ मुद्रा दबाव और आयातित महंगाई होता है—एक असुविधाजनक मिश्रण, जब विकास अभी भी असमान है।

एक रणनीतिक सबक भी सामने आ रहा है। यह संघर्ष गहन राजनीतिक विवादों को हल करने में सैन्य श्रेष्ठता की सीमाओं को रेखांकित करता है। सटीक हमले और तकनीकी प्रभुत्व क्षमताओं

को कमजोर कर सकते हैं, लेकिन उद्देश्य को समाप्त नहीं कर सकते। भूगोल, प्रॉक्सि और आर्थिक जाम बिंदुओं का उपयोग करने की ईरान की क्षमता आधुनिक संघर्ष में व्यापक बदलाव को उजागर करती है, जहाँ प्रभाव नेटवर्क के माध्यम से लागू होता है, न कि मोर्चे से।

भारत के लिए, प्रभाव तत्कालिक है और इसकी कई परतें हैं। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी सुरक्षा, और खाने के माध्यम से व्यापार मार्ग, सभी परतें उजागर हो गई हैं। कूटनीतिक संतुलन, एक साथ अमेरिका, इज़रायल और ईरान के साथ संबंध बनाए रखना, में नयी कुशलता की आवश्यकता होगी। यह संकट भारत के ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत करने और रणनीतिक घंटाड को मजबूत करने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

अंत में, वर्तमान समय समाधान के बजाय पुन:सामयोजन के बारे में है। बंदूकें अस्थायी रूप से शांत हो सकती हैं, लेकिन मूल प्रतिस्पर्धा अब भी अनसुलझी है। आगे जो आने वाला है, वह स्थिरता की वापसी नहीं है, बल्कि अधिक जटिल संतुलन है, जहाँ तनाव प्रबंधित किया जाता है, मिट्टया नहीं जाती, और अगली वृद्धि घोषित उद्देश्य से नती, बल्कि संचित धर्मण से उत्पन्न हो सकती हैं।